



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 2110]

नई दिल्ली, बुधवार, सितम्बर 30, 2015/आश्विन 8, 1937

No. 2110]

NEW DELHI, WEDNESDAY, SEPTEMBER 30, 2015/ASVINA 8, 1937

## पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय अधिसूचना

नई दिल्ली, 24 सितम्बर, 2015

**का.आ. 2667(अ).**—भारत सरकार ने पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (जिसे इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उप-धारा (1) के अधीन जारी भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचनाओं का.आ. 434 तारीख 4 फरवरी, 2005 तथा का.आ. 67 तारीख 7 जनवरी, 2008 द्वारा उन अधिसूचनाओं से संलग्न अनुसूचियों में विनिर्दिष्ट भूमियों में देश के विभिन्न भागों में अवस्थित उपभोक्ताओं तक प्राकृतिक गैस के परिवहन के लिए मैसर्स रिलायंस गैस ट्रान्सपोर्टेशन इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (पूर्ववत् गैस ट्रान्सपोर्टेशन इन्फ्रास्ट्रक्चर कंपनी लिमिटेड) द्वारा काकिनाडा—हैदराबाद—ऊरण—अहमदाबाद गैस पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा की थी;

और, यतः, भारत सरकार ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) के अन्तर्गत सम्बद्ध सक्षम प्राधिकारी द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् और संतुष्ट हो जाने पर कि उक्त भूमि पाइपलाइन बिछाने हेतु चाहियें, उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन किये जाने का निर्णय लिया था;

और यतः, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार ने उक्त पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए, भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचनाओं का.आ. 2064 तारीख 3 जून, 2005 तथा का.आ. 2987 तारीख 31 अक्टूबर, 2008 द्वारा उन अधिसूचनाओं से संलग्न अनुसूचियों में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार का अर्जन किया था;

और, यतः, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार ने उक्त भूमि में उपयोग का अधिकार क्रमशः अधिसूचनाओं के प्रकाशन की तारीख से, भारत सरकार में निहित होने के बजाए, सभी बाधाओं से मुक्त मैसर्स रिलायंस गैस ट्रान्सपोर्टेशन इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड में निहित किया था;

और, यतः, मैसर्स रिलायंस गैस पाइपलाइन्स लिमिटेड (आर.जी.पी.एल.), जो कि दहेज—नागोथाने ईथेन पाइपलाइन बिछा रही है, ने इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग का अधिकार, जो उपरोक्तानुसार मैसर्स रिलायंस गैस ट्रान्सपोर्टेशन इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड में निहित है, को मैसर्स रिलायंस गैस ट्रान्सपोर्टेशन इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (पूर्ववत् गैस ट्रान्सपोर्टेशन इन्फ्रास्ट्रक्चर कंपनी लिमिटेड) के साथ बांटने की इच्छा जताई है;

और, यतः, मैसर्स रिलायंस गैस पाइपलाइन्स लिमिटेड की दहेज—नागोथाने तरल ईथेन पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए, मैसर्स रिलायंस गैस ट्रान्सपोर्टेशन इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड ने उक्त भूमि में उपयोग के अधिकार को मैसर्स रिलायंस गैस पाइपलाइन्स लिमिटेड के साथ बांटने के लिए अपनी सहमति दे दी है;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (4) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार यह निर्देश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग का अधिकार, जो मैसर्स रिलायंस गैस ट्रान्सपोर्टेशन इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड में निहित किया गया था, इस घोषणा के प्रकाशन की तारीख से सभी विल्लंगमों से मुक्त, मैसर्स रिलायंस गैस पाइपलाइन्स लिमिटेड, में भी निहित होगा।

### अनुसूची

तालुका : हांसोट	जिला : भरुच	राज्य : गुजरात		
गाँव का नाम	सर्वे सं./सब डिविजन सं.	आर.ओ.यू. अर्जित करने के लिए क्षेत्रफल		
		हेक्टेयर	एयर	वर्ग.मी.
1	2	3	4	5
1) परवट	418 / अ	00	13	61
	411	00	22	64
	415 / 1	00	22	55
	415 / 2	00	07	10
	413	00	07	27
	291	00	02	32
	288	00	14	10
	287	00	45	52
	285	00	51	84
	280	00	32	00
	329	00	05	25
	274	00	08	43
	330	00	18	22
	273	00	01	25
	271	00	03	25
	272	00	13	70
	266	00	05	02
	256	00	33	79
	264	00	03	00
	258	00	25	45
	232	00	62	51
	233 / ब	00	25	26
	227	00	19	40
	222	00	21	21
	221	00	03	52
	220	00	14	25
	218	00	28	57
	143	00	09	27
	118 (नया 117+118)	00	00	86
	117 (नया 117+118)	00	01	31
	120	00	42	03
	141	00	00	13
	125	00	13	90
	124	00	26	88
	123	00	39	71
(2) ओभा	190 (नया 190 / 1 और 190 / 2)	00	33	92

191 / अ	00	21	99
192	00	11	60
204	00	07	82
286	00	18	40
251	00	35	10
253	00	09	23
250	00	22	83
258	00	14	10
259	00	11	27
260	00	22	71
247	00	00	40
421	00	25	04
423 / अ	00	08	36
422	00	12	50
424	00	08	02
500	00	00	89
499	00	18	00
486	00	32	77
485	00	09	59
484	00	09	18
482	00	02	99
645	00	08	11
646	00	08	28
647	00	01	13
648	00	09	60
680	00	01	51
679	00	06	35
651	00	02	84
652	00	28	93
653	00	20	54
1037	00	11	43
1036	00	12	54
1034	00	10	38
1015	00	00	36
1014	00	00	10
1016 / अ (1016 अ)	00	00	50
1016 / ब (1016 ब)	00	13	94
1017	00	07	61
1018	00	03	89
1007	00	05	85
1005	00	13	29
1002	00	17	77
1001	00	16	42
1003	00	00	10
1004	00	00	40
(2) ओभा (जारी...)	803	00	14 79

804	00	12	06
805	00	05	84
806	00	12	44
821	00	06	43
819	00	03	50
822	00	15	32
823	00	09	71
844 / ब (844 ब)	00	07	32
843	00	08	74
842	00	08	10
840	00	06	93
839	00	08	21
863	00	04	59
838	00	07	39
870	00	13	11
869	00	02	26
884	00	01	63
885	00	14	70
886	00	18	43

[फा. सं. एल. 14014/21/2015.जी.पी.-II]

श्री प्रकाश अग्रवाल, अवर सचिव

**MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS****NOTIFICATION**New Delhi, the 24<sup>th</sup> September, 2015

**S.O. 2667(E).**—Whereas by notifications of Government of India in Ministry of Petroleum and Natural Gas number S.O. 434 dated 04<sup>th</sup> February, 2005 and S.O.67 dated 7<sup>th</sup> January, 2008, issued under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act), Government of India declared its intention to acquire Right of Users in lands, specified in the schedules appended to those notifications, for the purpose of laying Kakinada – Hyderabad – Uran – Ahmedabad Gas Pipeline by M/s Reliance Gas Transportation Infrastructure Limited (earlier Gas Transportation and Infrastructure Company Limited) for transportation of natural gas to consumers in various parts of the country.

And whereas, Government of India, after considering the reports submitted by the Competent Authority under sub-section (1) of Section 6 of the Act and on being satisfied that the said lands were required for laying the pipeline, decided to acquire the Rights of Users therein;

And whereas, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 6 of the Act, Government of India declared acquisition of the Rights of Users in lands, specified in the schedules appended to those notifications, for laying the said pipeline, vide notifications of Government of India in Ministry of Petroleum and Natural Gas number S.O. 2064 dated 3<sup>rd</sup> June, 2005 and S.O. 2987 dated 31<sup>st</sup> October, 2008;

And whereas, in exercise of powers conferred by sub-section (4) of Section 6 of the Act, Government of India declared vesting the Rights of Users in the said lands for laying the pipeline in M/s Reliance Gas Transportation Infrastructure Limited instead of Government of India, free from all encumbrances on the dates of publication of respective declarations;

And whereas, M/s Reliance Gas Pipelines Limited (RGPL), which is laying Dahej- Nagothane Ethane Pipeline, intends to share with M/s Reliance Gas Transportation Infrastructure Limited the Rights of Users in lands described in the schedule appended to this notification, which has been earlier vested in M/s Reliance

Gas Transportation Infrastructure Limited (earlier Gas Transportation and Infrastructure Company Limited) as mentioned above;

And whereas, M/s Reliance Gas Transportation Infrastructure Limited has consented to the sharing of the Rights of Users in the said lands with M/s Reliance Gas Pipelines Limited for the purpose of laying Dahej- Nagothane Ethane Pipeline.

Now, therefore, in exercise of powers conferred under sub-section (4) of Section 6 of the Act, Government of India directs that the Rights of Users in the said lands, vested earlier in M/s Reliance Gas Transportation Infrastructure Limited, would also be vested in M/s Reliance Gas Pipelines Limited, free from all encumbrances from the date of publication of this declaration.

#### SCHEDULE

Taluka: HANSOT	District : BHARUCH	State: GUJARAT		
Name of Village	Survey No./Sub-Division No.	Area to be acquired for ROU		
		Hec	Are	Sq.m.
1	2	3	4	5
(1) Parvat	418/A	00	13	61
	411	00	22	64
	415/1	00	22	55
	415/2	00	07	10
	413	00	07	27
	291	00	02	32
	288	00	14	10
	287	00	45	52
	285	00	51	84
	280	00	32	00
	329	00	05	25
	274	00	08	43
	330	00	18	22
	273	00	01	25
	271	00	03	25
	272	00	13	70
	266	00	05	02
	256	00	33	79
	264	00	03	00
	258	00	25	45
	232	00	62	51
	233/B	00	25	26
	227	00	19	40
	222	00	21	21
	221	00	03	52
	220	00	14	25
	218	00	28	57
	143	00	09	27
	118 (New 117+118)	00	00	86
	117 (New 117+118)	00	01	31
	120	00	42	03
	141	00	00	13
	125	00	13	90

(1) Parvat (Contd.)	124	00	26	88
	123	00	39	71
(2) Obha	190 (New 190/1 & 190/2)	00	33	92
	191/A	00	21	99
	192	00	11	60
	204	00	07	82
	286	00	18	40
	251	00	35	10
	253	00	09	23
	250	00	22	83
	258	00	14	10
	259	00	11	27
	260	00	22	71
	247	00	00	40
	421	00	25	04
	423/A	00	08	36
	422	00	12	50
	424	00	08	02
	500	00	00	89
	499	00	18	00
	486	00	32	77
	485	00	09	59
	484	00	09	18
	482	00	02	99
	645	00	08	11
	646	00	08	28
	647	00	01	13
	648	00	09	60
	680	00	01	51
	679	00	06	35
	651	00	02	84
	652	00	28	93
	653	00	20	54
	1037	00	11	43
	1036	00	12	54
	1034	00	10	38
	1015	00	00	36
	1014	00	00	10
	1016/A (1016 A)	00	00	50
	1016/B (1016 B)	00	13	94
	1017	00	07	61
	1018	00	03	89
	1007	00	05	85
	1005	00	13	29
	1002	00	17	77
	1001	00	16	42
	1003	00	00	10
	1004	00	00	40
	803	00	14	79

(2) Obha (Contd.)	804	00	12	06
	805	00	05	84
	806	00	12	44
	821	00	06	43
	819	00	03	50
	822	00	15	32
	823	00	09	71
	844/B (844 B)	00	07	32
	843	00	08	74
	842	00	08	10
	840	00	06	93
	839	00	08	21
	863	00	04	59
	838	00	07	39
	870	00	13	11
	869	00	02	26
	884	00	01	63
	885	00	14	70
	886	00	18	43

[F. No. L-14014/21/2015-GP-II]

S. P. AGARWAL, Under Secy.